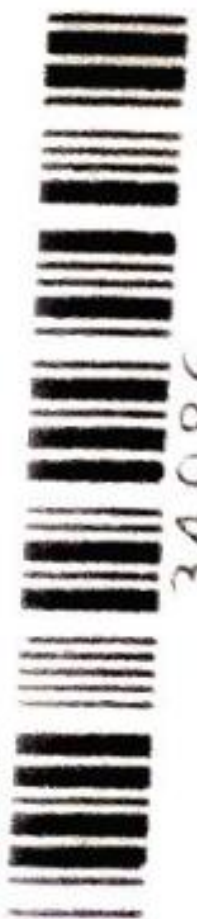
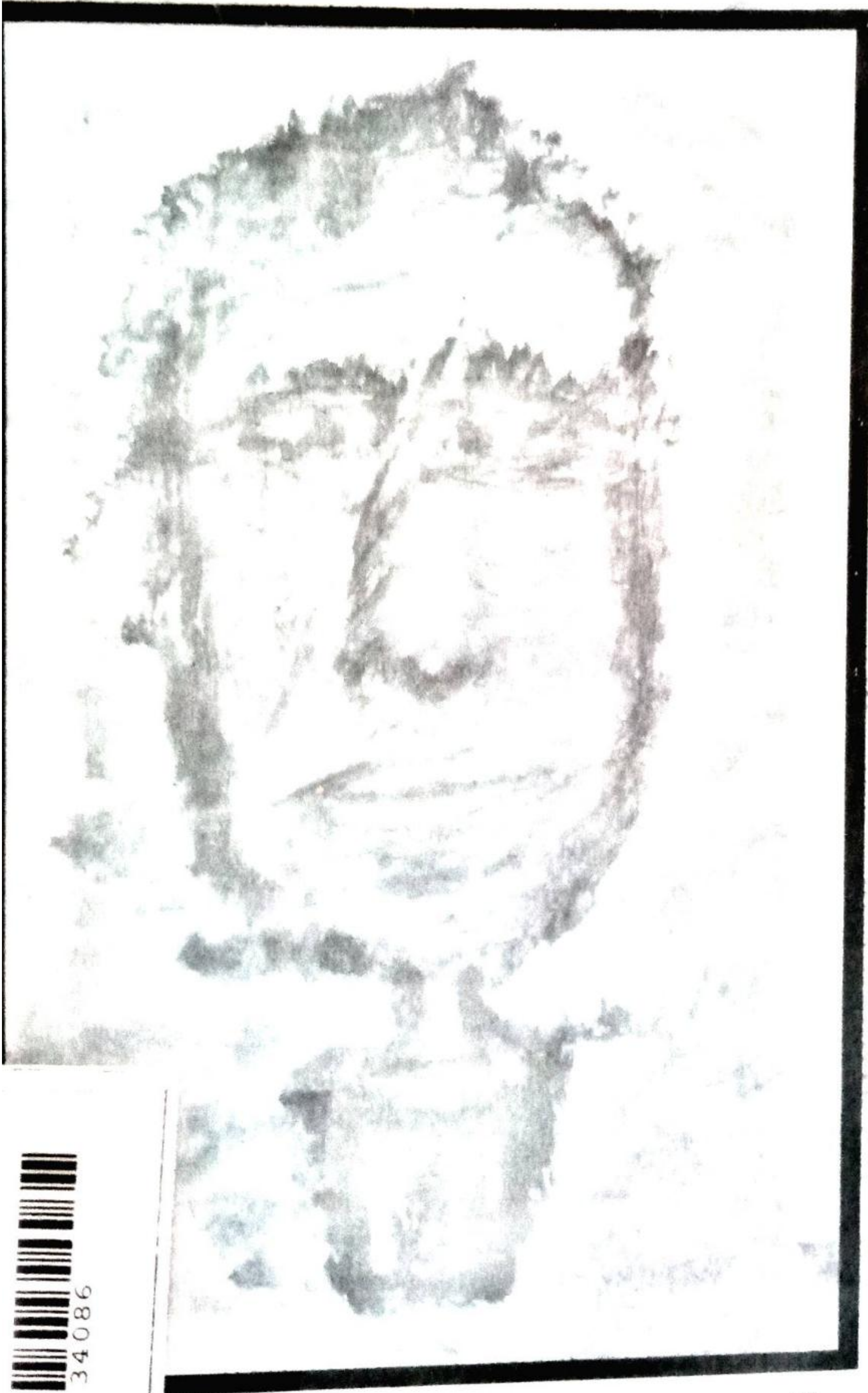


आवक

गंगा



34086

अनूप सेठी की कविताएँ

क्रम

धौलाधार	9
पहाड़ पर धूप	11
कहां हो पहाड़ !	12
निष्ठुर ही तो, पहाड़ !	13
सामना	14
अशांत भी नहीं है कस्बा	15
पंख	18
नए फैशन के मकानों में लोग	20
हिमाचल प्रदेश से एक रिपोर्ट	21
हर किसी का अपना हो अंतरिक्ष	27
प्रेम कविता	29
उम्मीद	31
स्मृति की झील	32
तुम भी यहीं हो कहीं शायद	33
मौसम	34
कबाड़	36
हाशिए पर दुनिया	37
संग दिलों ने मार दिया कल एक जोगी	38
ठाले की तपस्या	42
इतवार की कविता	43
कमरे की लोरी	45
जूते	47
हजामत	48
बीमार	50
भूमंडलीकरण	52
अबोली है रात निर्वात	54
जैनिटिक्स	56
कोई उठा ले पृथ्वी को	57
रोज जैसी सुबह रोज जैसी शाम	58

अंगूर	62
दर्जिन	64
कपड़े	66
कंबल	68
दोस्त	71
विरासत	73
मैं अमृतसर आना चाहता हूँ	74
आत्मजीत के लिए	76
समुद्र भर रात	78
संवाद	79
रिश्तेदार शहर में	80
खिड़कियां	81
बंबई दर्शन	83
चर्चगेट का प्लेटफार्म	85
अटके संवाद मार्च में	87
सरकारी कालोनियों में अजन्मे बच्चे	88
पाऊस	89
पानी	91
ठसाठस	92
हमारे शहर की स्त्रियां	93
दिक्काल से परे	95
छिपकली और बच्ची	98
चींटी और दाने का कण	101
सड़क	104
गड्ढा	106
मनीआर्डर	108
बड़े भाई के नाम खत	111
गणपति विसर्जन के बाद अगली सुबह	112
सांस्कृतिक केंद्र के आहाते में संस्कृति इतर चीजें	115
बांबी	118
दीवारें	121
अलविदा टेपरिकॉर्डर	123
मुंह में दांत, घर में भूचाल, जगत में मेला	126
रुदन का राग	130